कई महिलाओं में बचपन से ही बहुत सारी नकारात्मक भावनाएं होतीं हैं। महिलाओं के लिए अभिकथन इसीलिए लिखा गया है, ताकि पिछले जन्म से तथा बहुत समय से जो नकारात्मक भावनाएं उनके अंदर निवास कर रही हैं, उनको मिटाया जा सके।

इस अभिकथन को आवश्यकता अनुसार पढ़ने तथा प्राणा हीलिंग वॉन्ड के इस्तेमाल से वह महिलाएं शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक दर्द से मुक्त हो सकती हैं।

<u>क्योंकि</u>

अगर हर महिला खुश होती है,
तो हर घर खुश होगा

अगर हर घर खुश है,
तो हर शहर खुश होगा

यदि हर शहर खुश होगा
तो हर देश खुश होगा

यदि हर देश खुश होगा,
तो पूरी दुनिया खुश होगी

सभी महिलाओं के लिए खुश रहना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है

Copyright @ All rights reserved

महिलाओं के लिए अभिकथन

www.pranaviolethealing.com

इनमें से किसी भी प्रति की प्रतिलिपि बनाना या मुद्रित करना अवैध है

Copyright @ All rights reserved

Hindi

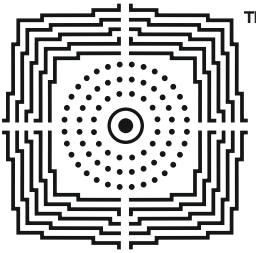

मुझे कई बार दुःख होता है कि मैंने एक
नारी के रूप में जन्म लिया है
मुझे कभी-कभी निराशा होती है
कि मैं इस जीवनकाल में एक नारी बनी हूँ

मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण
चेतना के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ
नारी होने के कारण मैं अनेक निराशाओं
का सामना कर रही हूँ
सबसे पहले तो मेरे पीरियड (मासिक धर्म),
कितना दर्द और कितनी असुविधा

फिर मेरे चारों ओर वह सभी लोग
जैसे कि सास, ननंद, पति, बॉयफ्रेंडस,
पुरुष सहकर्मी और फिर वह
सब जो मैं नहीं कर सकती क्योंकि मैं
एक नारी हूँ
मैं लाचार, कुंठित, पीड़ित महसूस करती हूँ,
जैसे किसी को मेरी ज़रूरत नहीं

कोई भी नहीं समझता कि मुझपर
क्या गुज़र रही है
मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण
चेतना के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ
पर मैं क्या कर सकती हूँ ?
ईश्वर, मेरी आत्मा के अनेकों
जन्मों के लिए, यह आपकी ही दिव्य
योजना और दिव्य निर्देशन है

Copyright @ All rights reserved

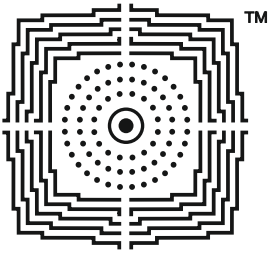

मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण
चेतना के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ
ईश्वर मैं आपका दिव्य निर्देशन एवं
योजना स्वीकार करती हूँ

मेरे अंदर की आत्मा ना तो स्त्री है और
ना ही पुरुष
मैं आपकी दिव्य चिंगारी हूँ,
मैं आपकी संतान हूँ
मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण चेतना
के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ

ईश्वर आप जानते हैं कि इस जीवन में
नारी बनकर ही मैं अपने कर्मों का संतुलन
कर सकती हूँ, जिससे मैं आपकी ओर आ
सकूँ, आप में लीन हो सकूँ और
आपके साथ एकाकार हो सकूँ
मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं
पूर्ण चेतना के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ

ईश्वर मुझे इस जीवनकाल में नारी बनाने
के लिए आपका धन्यवाद केवल नारी बनकर ही
मैं अनेक ऐसे काम कर सकती हूँ जो पुरुष के लिए
कर पाना संभव नहीं है

मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण चेतना
के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ

ईश्वर आपका धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद

Copyright @ All rights reserved